वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 182 | शनिवार 26 अक्टूबर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

'जयपुर डायलॉग 2024' वार्षिक समारोह आयोजित

'वसुधैव कुटुम्बकम' के जरिए भारत ने विश्व को सार्वभौमिक समानता का पाठ पढ़ायाः राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि भारत जीवंत संस्कृति वाला राष्ट्र है। विश्व की बौद्धिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का मूल यही देश रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने ही विश्वभर को 'वसुधैव कुटुम्बकम' के जरिए सार्वभौमिक समानता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि आजादी के सौ साल पूर्ण होने का अवसर 'भारत के उस गौरव को पुनः प्राप्त' करने से जुड़ा है। उन्होंने देश की समृद्ध ज्ञान परम्परा और अद्वितीय इतिहास से जुड़ी संस्कृति पर चिंतन-मनन कर भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास किए जाने का आह्वान किया है। बागडे शुक्रवार को एक निजी होटल में 'जयपुर डायलॉग 2024' के वार्षिक समारोह में संबोधित कर रहे थे। भारत विश्व की आर्थिक और सांस्कृतिक महाशक्ति बने, यह समय हमारी सांस्कृतिक और सभ्यतागत जड़ों की ओर लौटने से जुड़ा है। उन्होंने प्राचीन भारत के वैश्विक व्यापार के केंद्र में रहने की चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' की दृष्टि इसी संदर्भ में दी है। यह प्रधानमंत्री के पंच प्रण-विकसित भारत, मानसिक उपनिवेशवाद के उन्मूलन, हमारी विरासत पर गर्व, नागरिकों की एकता और कर्तव्य से जुड़े हैं। यही हमारी सभ्यता के मूल सिद्धांतों का स्वाभाविक विस्तार है। राज्यपाल ने शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए कार्य करने, नैतिकता के साथ राष्ट्र प्रेम से विद्यार्थियों को जोड़ने और महापुरुषों के आदर्श जीवन को अपनाते हुए उनमें राष्ट्रभक्ति के विचार भरने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य के 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए सभी मिलकर कार्य करें। इससे पहले भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी और जयपुर डायलॉग के संस्थापक संजय दीक्षित ने 'जयपुर डायलॉग्स 2024' के अंतर्गत 'रिक्लेमिंग भारत' की वृहद सोच के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

भारत को विश्वगुरु बनाने आगे आएं युवाः राज्यपाल

अपेक्स यूनिवर्सिटी ने आचार्य बालकृष्ण को दी डी लिट की मानद उपाधि, 15 स्टूडेंट्स को मिले गोल्ड मेडल

जयपुर. कासं। चेहरे पर सफलता की चमक तो आंखों में सुनहरे भविष्य का सपना। वहीं, हाथों में डिग्री पाने की खुशी स्टूडेंट्स के चेहरे पर साफ झलक रही थी। शुक्रवार को कुछ ऐसा ही नजारा था अपेक्स यूनिवर्सिटी जयपुर के द्वितीय दीक्षांत समारोह का। अपेक्स यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह का आयोजन अचरोल कैंपस में हुआ। जहां प्रशासनिक भवन से दीक्षांत परेड प्रारंभ होकर दीक्षांत स्थल तक पहुंची। समारोह का प्रारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, अध्यक्षता कर रहे यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन डॉ रवि जूनीवाल और विशिष्ट अतिथि आचार्य बालकृष्ण, कुलपति पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार और निहालचंद, भूतपूर्व सांसद ने बेस्ट स्टूडेंटस को डॉ सागरमल जूनिवाल मेमोरियल अवॉर्ड सहित विभिन्न संकायों में 15

टॉपर्स को गोल्ड मैडल प्रदान किए गए। अतिथियों की उपस्थिति ने इस दीक्षांत समारोह में चार चांद लगा दिए। समारोह में आए मेहमानों के लिए यह एक यादगार उत्सव बन गया। आयुर्वेद, योग के क्षेत्र में नए अनुसंधान को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने के लिए अपने असाधारण और अविस्मरणीय योगदान के लिए आचार्य बालकृष्ण एवं सबसे कम उम्र में लोकसभा सांसद बने और पांच बार सांसद रह चुके भूतपूर्व सांसद और केंद्रीय मंत्री निहालचंद को समाज के प्रति उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए डी.लिट. की मानद उपाधि प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा- विद्या का दान सर्वश्रेष्ठ दान है। विद्या वही है, जो जीवन की समस्याओं का सटीक हल खोजने में सहायता करें। मुझे प्रसन्नता है कि अपेक्स विश्विद्यालय इसी दिशा में काम कर रहा है। आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को आगे लाकर शिक्षा देने का आपका प्रयास सराहनीय है।

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका है: लोढा

पिंडवाड़ा. शाबाश इंडिया

शिक्षक विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करें जिससे सामाजिक चेतना जागृत हो यह उद्गार राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील के जिला स्तरीय शैक्षिक अधिवेशन में उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक संयम लोढ़ा ने व्यक्त किये। लोढा ने कहा कि शिक्षक समाज की धूरी है जो समाज में आमूलचूल परिवर्तन ला सकता है। विद्यार्थियों के रूप में एक नई पीढ़ी के द्वारा देश में सामाजिक चेतना विकसित करने का काम शिक्षक ही कर सकता है। शिक्षक बच्चों में अच्छी समझ व अच्छे संस्कार पैदा करें जिससे समाज में बच्चे नये नवाचार के साथ आगे बढ सकें । अच्छी सोच व समझ समाज को आगे बढाने व राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका अदा कर सकती हैं। समारोह के अध्यक्ष कांग्रेस नेता एवं आरसीए के पूर्व अध्यक्ष वैभव गहलोत ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार को शिक्षकों का सम्मान बनाए रखना चाहिए । शिक्षकों को अपमानित करके समाज में उनके साख गिराने का काम किसी भी सरकार को नहीं करना चाहिए । शिक्षक ने हमेशा समाज को गौरवान्वित किया है। गहलोत ने कहा कि शिक्षा के प्रति राज्य सरकार का नजरिया सकारात्मक होना चाहिए जिससे बालक शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर सके। पूर्व गहलोत सरकार के कर्मचारी हितैषी फैसलों पर उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की पीड़ा को समझते हुए ओपीएस जैसी पेंशन योजना को लागू करना सरकार का ऐतिहासिक फैसला था। विशिष्ट अतिथि पिंडवाड़ा नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष अचल सिंह बलिया ने शिक्षक संघ प्रगतिशील के कर्मचारी हितों में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन सदैव शिक्षक एवं कर्मचारियों के हितों में कार्य करता रहता है। संगठन के प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने अपने उद्बोधन ने कहा कि तत्कालीन सरकार द्वारा कर्मचारी हित में लिए गए फैसलों एवं ओपीएस पर सरकार को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए । राज्य सरकार ने कर्मचारी हितों को अनदेखा किया गया तो संगठन संघर्ष करेगा । समारोह को प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. हडवंत सिंह मेडतिया, जिलाध्यक्ष देवेश खत्री, जिला मंत्री इनामुल कुरैशी ने भी संबोधित किया । इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं सिरोही नगर अध्यक्ष प्रकाश प्रजापति, पिंडवाड़ा नगर अध्यक्ष सुरेश रावल, महिला ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षा अनिता कुंवर भी उपस्थित थे। राजस्थान शिक्षक संघ(प्रगतिशील)के मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार इस अवसर पर अधिवेशन संयोजक कांतिलाल मीणा, सहसंयोजक सुरेश वसेटा, सभाध्यक्ष भगवत सिंह देवडा, संरक्षक जसवंत सिंह परमार, पिंडवाड़ा उपशाखा अध्यक्ष मनोहर सिंह चौहान, सिरोही उपशाखा अध्यक्ष इंद्रमल खंडेलवाल, आबूरोड उपशाखा अध्यक्ष सत्यनारायण बैरवा, रेवदर उपशाखा अध्यक्ष राहुल कुमार, उपशाखा मंत्री धर्मेन्द्र खत्री, भीखाराम कोली, गुरुदीन वर्मा, नारायण सिंह देवड़ा, रघुनाथ मीणा, अमित मालवीय, मोतीलाल गरासिया, इंदिरा कुमारी, सुशीला कंवर, सुरेश कुमार, किशोर गरासिया, रणजीत सिंह, अशोक मालवीय, महेंद्र सिंह घडिया, ब्रह्मानंद गर्ग, गोपाल रावल, धनाराम गरासिया, ललित गरासिया, चुन्नीलाल मीना, मोतीराम देवासी, भेरूलाल वर्मा, शांतिलाल लोहार, बिंदर कौर, किरण कुमार, रमेश परमार, रणजीत सिंह परमार, भंवर सिंह दहिया, शैलेंद्र खत्री, वरुण खत्री, अयूब पठान, ओमजीलाल शर्मा, सविता शर्मा, जितेंद्र परिहार, नरेश खत्री, शाईस्ता परवीन, सविता बेरवा, सत्येंद्र सिंह राठौड़ सहित सैकड़ो शिक्षक उपस्थित थे।

किड्स वैली प्ले स्कूल में दीवाली उत्सव मनाया

नरेश सिंगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। किड्स वैली प्ले स्कूल में इस साल दीवाली का त्योहार बेहद धूमधाम से मनाया गया। छोटे-छोटे बच्चों ने उत्साह और खुशी के साथ इस अवसर का आनंद लिया, जो कि हर साल की तरह विशेष था। इस विशेष दिन की शुरूआत बच्चों ने रंग-बिरंगी रंगोली बनाकर की। उन्होंने अपने हाथों से खूबसूरत डिजाइन बनाए और एक-दूसरे की मदद की, जिससे उनमें सहयोग की भावना और भी मजबूत हुई। रंगोली में हरियाली और फूलों के रंग भरे गए, जो त्योहार की खुशी को और बढ़ा रहे थे। बच्चों ने दीयों को सजाने का काम भी बड़े उत्साह से किया। बच्चों ने पटाखे फोड़कर जश्न मनाया। उन्होंने यह भी सीखा कि दीवाली केवल पटाखे फोड़ने का त्योहार नहीं है, बल्कि एक सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से इसे मनाना भी जरूरी है। श्रीमती रेखा सोनी ने बच्चों को पटाखे के उपयोग के बारे में जानकारी दी और सुरक्षित रहने के नियम बताए। नृत्य का कार्यक्रम भी इस उत्सव का अहम हिस्सा रहा। बच्चों ने अपनी पसंदीदा धुनों पर नृत्य किया, जिससे स्कूल का माहौल और भी खुशनुमा हो गया। उनके डांस ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ ही, बच्चों ने विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया बच्चों ने मिलकर खाना खाया और एक-दूसरे के साथ समय बिताया, जिससे दोस्ती और भाईचारे का भाव बढ़ा। इस साल के दीवाली उत्सव का एक महत्वपूर्ण पहलू था—बच्चों को अच्छे आचार-व्यवहार और एक-दूसरे के प्रति सम्मान सिखाना। श्रीमती सोनी ने बच्चों को बताया कि दीवाली सिर्फ रोशनी का त्योहार नहीं है, बल्कि यह अच्छाई पर बुराई की जीत का प्रतीक है। उन्होंने इस मौके पर बच्चों को यह भी सिखाया कि हम सभी को एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए और समाज में प्यार फैलाना चाहिए। किड्स वैली प्ले स्कूल में दीवाली का जश्न मनाते हुए बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखने लायक था। सभी ने मिलकर इस खास दिन को और भी खास बना दिया, और बच्चों की हंसी और खेल ने पूरे वातावरण में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। इस प्रकार, किड्स वैली प्ले स्कूल में दीवाली का उत्सव न केवल एक दिन का कार्यक्रम था, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण जीवन मूल्य को सिखाने का अवसर भी था।

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन द्वारा चार दिवसीय रक्तदान शिविर संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन द्वारा चार दिवसीय रक्तदान शिविर संपन्न हुआ ।क्लब अध्यक्ष दिनेश जैन बज व रक्तदान शिविर के चेयरमैन अमित अग्रवाल ने बताया की इस चार दिवसीय शिविर दस अलग अलग जगहों पर लगाया गया जिसमे कुल 3125 यूनिट रक्त दान हुआ जिसे बीस अलग अलग ब्लड बैंको को दिया गया। क्लब सचिव नरेंद्र मित्तल ने बताया कि क्लब का उद्देश्य हमेशा से रक्तदाताओं को पेरित करना रहा है और इसलिए इस वर्ष भी उन्होंने युवाओ को प्रथम बार ब्लड देनें के लिए प्रोत्साहित किया साथ ही महिलाओं को भी रक्तदान के लिए जागरूक किया । इसी कारण के इस रक्तदान में करीब 60% युवाओ और महिलाओं का रहा । चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने बताया के सामाजिक सरोकारों के कार्य करने में सिटीजन क्लब हमेशा से अग्रणी रहा है । वे भविष्य में भी इस तरह के कार्य करते रहेंगे । क्लब कोषाध्यक्ष नीरज काला ने बताया की सभी रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया ।

वेद ज्ञान

सकारात्मक-सोच की तलाश का रास्ता है पूजा-पाठ

धर्म में आस्था रखने वाले अधिकांश लोग मंदिर-मस्जिद-गुरुद्वारा-चर्च हो या घर पूजा-पाठ जरूर करते हैं। लोग पूजा-पाठ जब करते हैं तो वे अपने ईष्ट से सांसारिक मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। बहुत लोग अपने ईष्टदेव से इन आवश्यकताओं के लिए अनुबंध भी करते हैं कि उनकी कामनाएं जैसे ही पूरी होंगी तो वे कुछ भेंट चढ़ाएंगे या दान करेंगे। संयोगवश कार्य पूर्ण होने पर विशेष धार्मिक अनुष्ठान आदि करते दिखाई भी पड़ते हैं। तमाम धर्मगुरु इस तरह का आश्वासन भी देते हैं कि जप-तप से उनकी मनोकामनाएं त्वरित गति से पूरी हो जाएंगी। जबकि यह कोई जरूरी नहीं कि ईष्टदेव की पूजा-पाठ या चढ़ावे से सांसारिक उपलब्धियां मिल जाएंगी। 'पूजा' का अर्थ ही है पवित्रता का जन्म। पूजा यदि मन में पवित्र भावों के जन्म के लिए हो तो उचित है जो आगे चलकर जीवन को पूजनीय बना देती है। हर धर्म में जो ईष्टदेव हैं, उनका जीवन आदर्शमय था, इन्हीं कारणों से उनकी पूजा होती है। इसलिए पूजा-पाठ मन-बुद्धि के बीच सेतु बनाने के लिए करना चाहिए। मन सकारात्मक होकर जब अच्छे कार्यों में लग जाए तब स्वतः जीवन में अनुकूलता मिलने लगती है। इसी सकारात्मक-सोच की तलाश का रास्ता है पूजा-पाठ। सर्वप्रथम पूजा-पाठ से दिनचर्या नियमित होती है, तमाम तरह के निषेधों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है, एकाग्रता बढ़ती है, समूह में जीने की आदतें उत्पन्न होती हैं। ये सारे रास्ते इतने महत्वपूर्ण हैं कि इनसे जो परिचित हो गया, वह जो भी काम करेगा, सफल होगा। प्रायः लोग किसी व्यक्ति का उदाहरण देते हैं कि वह मिट्टी भी छूता है तो सोना (स्वर्ण) बन जाता है। इसी के साथ पूजा-पाठ में प्रयुक्त होने वाले पदार्थ शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद होते हैं। सभी धर्मावलंबी पूजा-कार्य में पुष्प-चंदन आदि विविध पदार्थ अपने ईष्टदेव को चढ़ाते हैं। ये सारे पदार्थ ईष्ट को मिले कि नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं, लेकिन इन पदार्थों के जो प्राकृतिक एवं औषधीय गुण हैं, वह उपासक को जरूर मिलते हैं। इसलिए सबसे पहले मन को मजबूत करने के लिए धार्मिक ग्रंथों में जो निषेध बताए गए हैं, उसकी आदत डालनी चाहिए।

संपादकीय

बातचीत से सही समाधान की ओर...

रूस के कजान में ब्रिक्स बैठक से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच पांच साल में पहली बार औपचारिक मुलाकात हुई जिससे दोनों देशों के संबंधों में सुधार को लेकर उम्मीदें एक बार फिर बढ़ गई हैं। बैठक का सौहार्दपूर्ण स्वर इस मुश्किल रिश्ते के लिए मायने रखता है। दोनों नेताओं ने लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य गतिरोध को हल करने के लिए समझौते का स्वागत किया और घोषणा की कि दोनों देशों के बीच संवाद प्रक्रिया को जल्द शुरू किया जाएगा जिसमें दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि भाग लेंगे और सीमा विवाद से जुड़े मसले हल करने का प्रयास करेंगे। एशिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच संबंधों को सुधारने की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। बहरहाल, भारत को इस प्रक्रिया में आगे बढ़ते हुए सावधान और सतर्क रहना होगा। अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि एलएसी पर सैन्य जमावड़ा कम करने और गश्त की व्यवस्था को लेकर क्या शर्तें तय हुई हैं। विदेश मंत्रालय ने अपने वक्तव्य में कहा कि विभिन्न स्तरों पर प्रासंगिक संवाद प्रणाली के जरिये अब रिश्तों को स्थिरता प्रदान करने और नए सिरे से तैयार करने का काम किया जाएगा। मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया है कि सीमा पर शांति बरकरार रखना भारत की प्राथमिकता है। एशिया के इन दोनों दिग्गज देशों के बीच संबंध सामान्य होने पर बहुत कुछ निर्भर है। भारत को अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए रिश्ते के विभिन्न पहलुओं पर काम करना होगा। इनमें पहला है सीमा पर हालात सामान्य करना और वर्ष 2020 के पहले की स्थिति हासिल करना इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में काम करते हुए भी उसे ऐसी क्षमताएं विकसित करनी होंगी ताकि इस तरह की परिस्थितियां कभी दोहराई न जाएं। रिश्तों का दूसरा पहलू आर्थिक है। दुनिया के अधिकांश देशों की तरह भारत भी कई चीजों के लिए चीन पर निर्भर है। चीन 2023-24 में अमेरिका को पीछे छोड़कर भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बन गया। भारत, दूरसंचार और बिजली संबंधी कलपुर्जों, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल और औषधियों समेत कई उच्च प्रौद्योगिकी वाली वस्तुओं के लिए चीन पर निर्भर है। ध्यान देने वाली बात है कि सीमा पर तनाव के बावजूद चीन के साथ भारत का व्यापार लगातार बढ़ता रहा है और संतुलन पूरी तरह चीन के पक्ष में झुका हुआ है। आंशिक तौर पर ऐसा चीन द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले गैर-टैरिफ गतिरोधों के कारण भी है। भारत को चीनी अधिकारियों के साथ ऐसे मुद्दे उठाते हुए व्यापार संबंधों को संतुलित करने का लक्ष्य रखकर चलना चाहिए। बहरहाल, यह भी सीमित उपयोग का साबित होगा और चीन पर निर्भरता कम करने के लिए एक व्यापक नीति की जरूरत होगी। इसके लिए घरेलू क्षमताएं तैयार करनी होंगी और नए स्रोत तलाश करने होंगे। अमेरिका और चीन के आपसी रिश्तों को देखते हुए कच्चे माल के लिए चीन पर निर्भरता अमेरिका और पश्चिम के साथ भारत की कारोबारी संभावनाओं पर भी असर डाल सकती है। -**राकेश जैन गोदिक**

परिदृश्य

कजान का संदेश

दुनिया में तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं के संगठन ''ब्रिक्स'' का शिखर सम्मेलन रूस में होना ही अपने आप में काफी महत्वपूर्ण था। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के सर्वोच्च नेता एक ऐसे देश में मिल रहे थे, जो लंबे समय से अपने पड़ोसी देश यूक्रेन से युद्ध में उलझा हुआ है। युद्ध का साया रूसी शहर कान में हुए शिखर सम्मेलन पर पड़ना ही था। सम्मेलन के बाद सदस्य देशों का जो साझा बयान जारी हुआ है, उसमें इसकी झलक देखी जा सकती है। बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र के नियमों के विपरीत कुछ देशों पर जो गैर-कानूनी पाबंदियां लगाई गई है, दुनिया के ताकतवर देशों को उनसे बाज आना होगा। जाहिर है, इसका इशारा पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाई गई तरह-तरह की पाबंदियों की तरफ है। इन दिनों दुनिया के जो हालात हैं, उनमें यह मुमकिन नहीं कि बड़े स्तर का कोई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हो और उसमें जारी किए गए बयान में पश्चिम एशिया के हालात का जिक्र न हो। पश्चिम एशिया को लेकर ब्रिक्स के ज्यादातर देशों की सोच वही नहीं है, जो पश्चिमी देशों की है, इसलिए भी यह बयान काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। अगर हमें ब्रिक्स की भावना को समझना है, तो इस बयान से आगे जाकर शिखर सम्मेलन में दिए गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण को सुनना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रिक्स कोई विभाजनकारी संगठन नहीं है, बल्कि यह मानवता को आगे बढ़ाने की पहल है। उन्होंने कहा कि हम युद्ध में नहीं, बातचीत और राजनय में विश्वास करते हैं। भारतीय प्रधानमंत्री ने इसके आगे यह भी जोड़ दिया कि दुनिया के गंभीर मसलों पर दोहरे रवैये के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। ब्रिक्स का निर्माण एक आर्थिक संगठन के रूप में हुआ था और प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स देशों के आर्थिक एकीकरण पर जोर देते हुए कहा कि इन देशों को आपस में अपनी मुद्रा में कारोबार करना चाहिए। निश्चित तौर पर यह बात सभी देशों को पसंद आई। नरेंद्र मोदी ने यह भी कहा कि इस संगठन में और देशों को मिलाकर इसका दायरा बढ़ाने की जरूरत है। पड़ोसी पाकिस्तान समेत कई देश ब्रिक्स में शामिल होने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं लेकिन कजान सम्मेलन की सबसे बड़ी बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात रही। सम्मेलन से अलग दोनों नेताओं ने न सिर्फ मुलाकात और एक बैठक की, बल्कि वर्षों से जारी सीमा विवाद को सुलझाने की दिशा में कदम बढ़ाने पर भी सहमति बनाई। चार साल तक चले लंबे व अप्रिय विवादों के बाद दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व का एक साथ बातचीत की मेज पर बैठना स्वागतयोग्य ही कहा जाएगा। हालांकि, इसकी भूमिका तो सम्मेलन के ठीक पहले उसी समय बन गई थी, जब दोनों देशों ने सीमावर्ती इलाके की संयुक्त पेट्रोलिंग पर सहमति बना ली थी। इसका अर्थ यह भी है कि कजान से हमें जो शुभ समाचार मिला है, उसकी भूमिका लंबे समय से तैयार की जा रही थी। हालांकि, भारत और चीन के सीमा विवाद को सुलझाने के प्रयासों की कथा कोई बहुत सुखद नहीं रही है। अभी जो माहौल तैयार हुआ है, वैसा पहले भी कई बार हो चुका है, लेकिन हर बार चीन की तरफ से कुछ न कुछ गड़बड़ी शुरू हो जाती है और फिर बातचीत पटरी से उतर जाती है। उम्मीद करनी चाहिए कि इस बार ऐसा नहीं होगा।

भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण उत्सव एक नम्बर को मनाया जाएगा : विजय धुर्रा

नवीन कार्यकारिणी कल जायेगी गुरु चरणों में लेगी शपथः विपिन सिंघई

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। जगत को जिओ और जीने दो का दिव्य सन्देश देने वाले भगवान श्री महावीर स्वामी का निर्वाण कल्याणक महोत्सव एक नम्बर को देशभर के साथ जिले में भी पूरे भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा इस हेतु परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने हमें आशीर्वाद देते हुए कहा कि इस वर्ष तिथि में अंतर है और भगवान को ब्रह्म मुहूर्त में निर्वाण की प्राप्ति हुई तो ब्राह्म मुहूर्त के अनुसार ही निर्वाण लाडू प्रातः काल की वेला पूरे विधि-विधान के साथ निर्वाण कांड के साथ ही निर्वाण भक्ति के साथ निर्वाण कल्याणक पूजा के साथ भक्ति भाव से समर्पित किया जायेगा इसके साथ ही घर की पूजन का मुहूर्त मध्यान में एक बजे से दो बजे का होगा उक्त आश्य के उद्गार दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने व्यक्त किए। **जगत कल्याण की कामना से हुई महाशान्ति धारा:** इस दौरान थूवोनजी कमेटी के निवृत्तमान महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि कल नवीन कार्यकारिणी सागर पहुंच कर परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में शपथ ग्रहण करेगी जिसमें नव निर्वाचित अध्यक्ष महामंत्री के साथ ही उनकी नव नियुक्त उपाध्यक्ष मंत्री सहित संपूर्ण कार्यकारणी विधि पूर्वक शपथ ग्रहण करेगी इसके पहले आज जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा की जिसका सौभाग्य नव नियुक्त उपाध्यक्ष संजीव जैन महावीर स्वीट्स नव नियुक्त मंत्री प्रदीप रानी पिपरई डी के जैन पंजाब बैंक युवा वर्ग अध्यक्ष सुलभ सन्तोष कुमार जे की अखाई नवनियुक्तमंत्री शैलेन्द्रददा सहित अन्य भक्तों ने को सौभाग्य प्राप्त हुआ इस दौरान सभी पुण्यार्को कमेटी की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

विरक्ति के बिना नहीं हो सकती व्रत की साधनाः कंचनकुंवरजी म.सा.

अच्छे इंसान बन गए तो समय आने पर भगवान बन जाएंगे-सुलोचनाश्री म.सा.

महावीर भवन में उत्तराध्ययन सूत्र की आराधना जारी

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य पूज्य श्री मिश्रीमलजी म.सा.'मधुकर' के प्रधान सुशिष्य उप प्रवर्तक पूज्य विनयमुनिजी म.सा.'भीम' की आज्ञानुवर्तिनी शासन प्रभाविका पूज्य महासाध्वी कंचनकुंवरजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में बापूनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में भगवान महावीर स्वामी की अंतिम देशना आगम श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन जारी है। श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र के मूल पाठ का वाचन एवं विवेचन करते हुए मधुर व्याख्यानी डॉ. सुलोचनाश्री म.सा. ने कहा कि हमारे जीवन का संकल्प होना चाहिए कि हम एक अच्छा इंसान बनेंगे। अच्छे बन गए तो समय आने पर भगवान भी बन सकते है। अच्छा इंसान बने बिना जीवन का कल्याण नहीं हो सकता है। मन, वचन व काया के नियंत्रण से इन्द्रियों को भी नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि साधु के जीवन में भी कई तरह के उपसर्ग आते है पर वह उन्हें सहन करते हुए संयम साधना में लीन रहते है। ब्रह्मचर्य की साधना तभी की जा सकती है जब मन विकार रहित होता है। मन में विकार आने पर ब्रह्मचर्य में दोष लगता है। आत्मरमण करने वाला ही ब्रह्मचर्य की आराधना कर सकता है। महासाध्वी कंचनकुंवरजी म.सा. ने कहा कि व्रत साधना करने के लिए विरक्ति होना जरूरी है। जहां विरक्ति नहीं होती वहां व्रत नहीं हो सकते है। जहां पाप होता है वहां श्रमण-श्रमणी नहीं रह सकते है। इसीलिए धर्म स्थान को पावन व पवित्र माना जाता है। जो प्राणी प्रभु की वाणी को आत्मसात कर लेता है उसकी आत्मा पाप से दूर हो जाती है। जिनवाणी पाप कर्म का क्षय करके पुण्य का ग्राफ बढ़ाती है। उन्होंने स्वाध्याय करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि स्वाध्याय ही आत्मा का रत्न है। उन्होंने बताया कि मेवाड़ प्रवर्तक सेवा के महासागर भोले बाबा पूज्य गुरूदेव मदनमुनिजी म.सा. का 71वां दीक्षा दिवस रविवार को सामायिक दिवस के रूप में मनाया जाएगा। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री अनिल विश्नोत ने किया। अतिथियों का स्वागत बापूनगर श्रीसंघ के अध्यक्ष कमलेश मुणोत ने किया। आभार श्रीसंघ के संरक्षक लादूलाल बोहरा ने जताया।

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति ने किया 150 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान

प्रशस्तिपत्र के साथ पुरस्कार स्वरूप दिए उपहार

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के मुख्य आथित्य में 68 वीं प्राथमिक जिला स्तरीय खेलकूद व साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन संस्कार पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण मे आयोजित किया गया इस प्रतियोगिता में अजमेर जिले के अजमेर ग्रामीण, अजमेर शहरी क्षेत्र पीसांगन, अराई आदि क्षेत्र से विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित कर पुरस्कृत किया । इस अवसर पर मधु पाटनी, भावना बाकलीवाल एवं सोनिका भैंसा ने अपने उद्बोधन में इस प्रकार की प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देने पर बल दिया एवं प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक विद्यालय की एडमिनिस्ट्रेटर स्नेहलता शर्मा के संयोजन में 150 विजेता विद्यार्थियों को प्रशस्तिपत्र के साथ पुरस्कार स्वरूप उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर महिला संभाग अध्यक्ष मधु पाटनी, मंत्री सरला लुहाड़िया, युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा, मंत्री भावना बाकलीवाल, विद्यालय की शिक्षिकाएं एवं जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा नियुक्त किए गए निर्णायकगण सहित गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

दिगम्बर जैन महासमिति, मालवीय नगर संभाग ने उपयोगी सामान एकत्रित कर आशा भवन ट्रस्ट को भेंट किए

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति मालवीय नगर संभाग ने बहुत से परिवारों से गर्म व सूती कपड़े तथा अन्य उपयोगी सामान एकत्रित कर आशा भवन ट्रस्ट को निर्धन लोगों के सहायतार्थ अनाथाश्रम में उनके उपयोग हेतु प्रदान किया। अध्यक्ष अजीत बड़जात्या ने बताया कि इस अवसर पर दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के शिरोमणि संरक्षक, निवर्तमान अध्यक्ष उत्तम कुमार पांड्या, राजस्थान अंचल के अध्यक्ष अनिल जैन (रिटायर्ड आई पी एस), डॉ णमोकार जैन कार्याध्यक्ष ने गरिमामयी उपस्थिति दी, जिनका अभिनन्दन अध्यक्ष अजीत बड़जात्या, मंत्री विजय कासलीवाल एवं कोषाध्यक्ष अरुण काला द्वारा किया गया । इस अवसर पर महासमिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामपाल जैन, संरक्षक सदस्य सतीश काला, रमेश पहाड़िया, धार्मिक मंत्री रंजना जी बोहरा , श्रीमति शकुन बड़जात्या, श्रीमती पुष्पा कासलीवाल, श्रीमती मंजू काला, श्रीमती नीलू काला ने उपस्थिति दे कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी सामान आशा भवन अनाथाश्रम में दिए जाने के पश्चात मंत्री विजय कासलीवाल द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन

कार्यालय : महावीर कीर्ति स्तंभ, रीगल चौराहा, 63, एम.जी. रोड़, इंदौर – 1 (म.प्र.)फोन : 0731–2527483

संस्थापक अध्यक्ष स्व. श्री प्रदीप कुमार जी कासलीवाल

क्या आप अपने उच्च/सामान्य/शिक्षित/प्रोफेशनल्स/अविवाहित पुत्र/पुत्री एवं तलाकशुदा/विधवा/विधुर हेतु योग्य जीवन साथी के चयन हेतु प्रयासरत है ?
तो आयें और हमारे साथ इस प्रयास में सहभागी बन अपने चयन को पूर्णता प्रदान करें।

प्रथम वर्ष की अपार सफलता के पश्चात् इस वर्ष पुन:

"समाज की बेटी समाज में"

द्वितीय विशाल अन्तर्राष्ट्रीय

जैन युवक युवती परिचय सम्मेलन

दि. : रविवार, 15 दिसम्बर 2024 स्थान : दस्तूर गार्डन, इंदौर

श्रीमती पुष्पा प्रदीप जी कासलीवाल
शिरोमणी संरक्षक

राकेश जैन विनायका
राष्ट्रीय अध्यक्ष

विपुल बांझल
राष्ट्रीय महासचिव

अतुल बिलाला
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

मुख्य सूत्रधार
यश कमल अजमेरा
जयपुर

सूत्रधार
जे.के. जैन
कोटा

ममता जैन
रायपुर

मुख्य संयोजक
प्रदीप गंगवाल, इन्दौर
गो.–9826030053

राजीव गिरधरवाल, गोपाल
गो.–8871713822

प्रशान्त जैन, जबलपुर
गो.– 9425022806

आवेदन जमा करने की अंतिम दिनांक 1 दिसम्बर 24

आवेदन शुल्क ₹ 900/- (सचित्र कलर A4 पुस्तिका सहित) कोरियर चार्ज ₹ 150/- अतिरिक्त

ऑनलाईन फार्म जमा करने हेतु वेबसाईट djsgfshaadi.com
सम्पूर्ण जानकारी हेतु स्केन करें QR CODE

बड़ी साईज में प्रत्याशी विवरण शुल्क : आधा पेज रु. 4000/- एवं पूरा पेज रु. 8000/-

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन,जयपुर

राजेश बड़जात्या	अनिल कुमार जैन	यश कमल अजमेरा	पारस जैन	निर्मल संघी
अध्यक्ष	संस्थापक अध्यक्ष	नि. अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय मुख्य सूत्रधार	कोषाध्यक्ष	महासचिव

सुरेन्द्र पाण्ड्या	नवीन सेन जैन	अतुल बिलाला	सुनील बज	सुरेश जैन बांदीकुई
रीजन परामर्शक	रीजन परामर्शक	रीजन पूर्व अध्यक्ष	रीजन कार्याध्यक्ष	रीजन कार्याध्यक्ष

मुख्य समन्वयक – मनीष जैन सौगाणी , नीरज जैन, अतुल छाबड़ा, बसंत जैन, राजेश चौधरी, रमेश छाबड़ा, मोहन लाल गंगवाल, सुशीला बड़जात्या, रमेश सोगाणी, शकुंतला बिंदायका

समन्वयक – डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन, सुरेन्द्र जैन, भारत भूषण अजमेरा,राकेश गोदिका, धनु कुमार जैन, आनन्द अजमेरा, सतीश बाकलीवाल, सुनील बड़जात्या, भागचन्द जैन मित्रपुरावाले, प्रमोद जैन सोनी, राजेन्द्र सेठी, डॉ. इन्द्र कुमार जैन, डॉ. मोहन लाल जैन मणि, सुरेश जैन लुहाड़िया, सुनिता गंगवाल, अनिल टोंग्या, ममता शाह अधिवक्ता, दीपशिखा जैन, चन्दा सेठी, अजीत बड़जात्या, नवल जैन, प्रदीप छाबड़ा, प्रेम चंद छाबड़ा राजेन्द्र छाबड़ा, विमल कोठारी, महेन्द्र छाबड़ा, विजय जैन, ममता गंगवाल, अनिल पाटनी, राकेश जैन

क्षेत्रीय समन्वयक

गंगापुर नरेन्द्र जैन 9413924197	सीकर गजेन्द्र ठोलिया 9414037259	सवाई माधोपुर अरविंद जैन 9414214386 प्रकाश जैन 9414214386,	निवाई विमल जौला पाटनी 8104889200 महावीर प्रसाद पराणावाले 9414204216	अजमेर सपना पटनी 9928409499 अनिता जैन 7014959821	महावीर जी चक्रेश जैन 9166228844 पंडित मुकेश जैन 9828280480
दौसा राजेश कुमार जैन 8562840715	किशनगढ़ सुनील जैन 9829073258	मालपुरा Adv.सुरेन्द्र मोहन जैन 9829809138	भीलवाड़ा प्रदीप चौधरी 9829045687	टोंक महेन्द्र कुमार जैन 9414851673	जोधपुर अभिषेक चांदीवाल 9829023663
प्रतापगढ़ अंकित जैन 9950498997	अलवर नीरज जैन 9413303364	तिजारा गोपाल जी 9414793365	देवली राजेश अजमेरा (ऊँचावाले) 701449427	भरतपुर कौशल कुमार जैन 9462355863	नासीराबाद शेखर बड़जात्या 9251412625

ऑफलाईन फार्म समन्वयकों के पास उपलब्ध है।

संपर्क सूत्र – 9829067076, 9785074581, 9829844533, 9829220552

इन्दौर के संपर्क सूत्र – 6-2323-2424-6

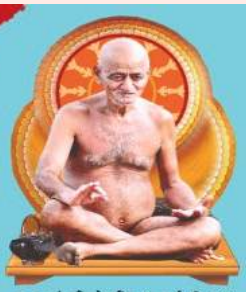

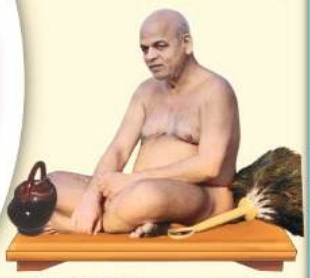

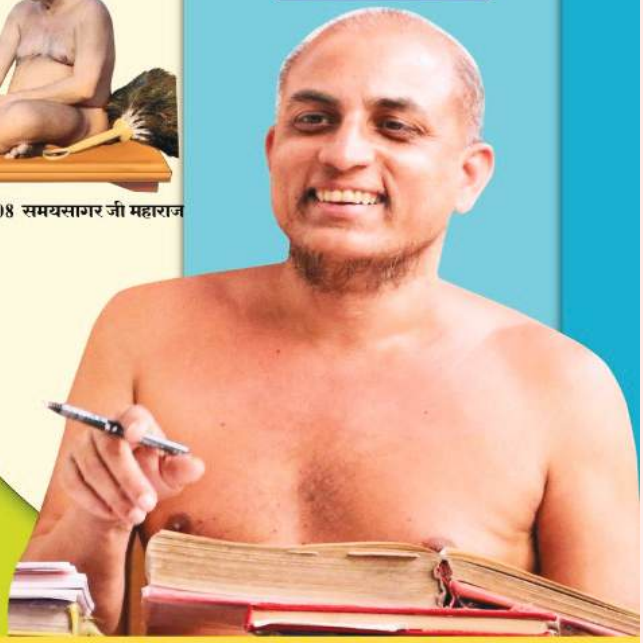

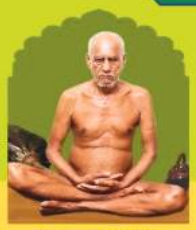

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर,
मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब
पंचकल्याणक
प्रतिष्ठा
महामहोत्सव
दिनांक 13 नवम्बर से 17 नवम्बर 2024
स्थान : सामुदायिक केन्द्र से. 9 गोखले मार्ग, मानसरोवर
मूलनायक 1008 श्री आदिनाथ भगवान
प.पू. संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज
पावन सानिध्य :
प.पू. आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज
अर्हं ध्यान योग
परम पूज्य मुनि श्री 108 विश्ववाक्षसागर जी महाराज
परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 अनुनयसागर जी महाराज
परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 सविनयसागर जी महाराज
परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 समन्वयसागर जी महाराज
अभीक्षण ज्ञानोपयोगी , अर्हं ध्यान योगप्रणेता,
मुनि श्री 108 प्रणम्यसागर जी महाराज
बुधवार, 13 नवम्बर 2024 गर्भ कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - देवाज्ञा, गुरु आज्ञा, आचार्य निमंत्रण, घट पूजन, घटयात्रा, जुलूस
प्रातः 7.15 बजे - ध्वजारोहण, मण्डप उद्घाटन, मण्डप शुद्धि, अभिषेक, पूजन, सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, मंडप प्रतिष्ठा, यागमण्डल विधान
प्रातः 9.00 बजे - पूज्य मुनिश्री की मंगल देशना
दोपहर 12.00 बजे - गर्भकल्याणक की आंतरिक क्रियायें
सायं 3.00 बजे - माता की गोद भराई
सायं 4.00 बजे - मुनिश्री का प्रवचन
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, सौधर्म इन्द्र एवं महाराजा नाभिराय का दरबार सांस्कृतिक कार्यक्रम
गुरुवार, 14 नवम्बर 2024 जन्म कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 7.30 बजे - भगवान के जन्मोत्सव की बधाई, प्रथम दर्शन शचि द्वारा, सहस्र नेत्र बनाकर प्रभु दर्शन, सौधर्म इन्द्र द्वारा प्रवचन, जन्म कल्याणक जुलूस, पाण्डुक शिला पर जन्माभिषेक, तीर्थंकर बालक का शृंगार, नामकरण
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सौधर्म इन्द्र द्वारा ताण्डव नृत्य, पालना झूलना और बाल क्रीड़ा
शुक्रवार, 15 नवम्बर 2024 तप कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 8.30 बजे - प्रवचन
दोपहर 1.00 बजे - पाणिग्रहण संस्कार, राज्य तिलक, भेंट समर्पण, असि आदि षट्कर्म, शिक्षा नीति, नीलांजना नृत्य, वैराग्य दीक्षाभिषेक, वनगमन, दीक्षा संस्कार विधि (मुनिश्री द्वारा)
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सांस्कृतिक कार्यक्रम
शनिवार, 16 नवम्बर 2024 ज्ञान कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, यज्ञ
प्रातः 8.30 बजे - प्रवचन मुनिश्री का
प्रातः 9.00 बजे - महामुनि की प्रथम आहार चर्या
दोपहर 1.00 बजे - ज्ञान कल्याणक की क्रियायें, प्राण-प्रतिष्ठा सूरिमंत्र के साथ समवशरण की रचना, गणधर रूप विराजमान मुनिश्री की देशना एवं पूजन
सायं 6.00 बजे - आचार्य भक्ति, आरती, शास्त्र सभा सांस्कृतिक कार्यक्रम
रविवार, 17 नवम्बर 2024 मोक्ष कल्याणक
प्रातः 6.30 बजे - अभिषेक, शांतिधारा, पूजन
प्रातः 7.15 बजे - कैलाश पर्वत पर अंतिम दर्शन, मोक्षगमन एवं निर्वाण कल्याणक की पूजन, विश्व शांति महायज्ञ
प्रातः 9.00 बजे - प्रवचन, जुलूस और श्रीजी विराजमान सम्मान एवं आभार व्यक्त
प्रतिष्ठाचार्य
पं. धीरज जी शास्त्री
3100/-रु. में एकल इन्द्र/इन्द्राणी
5100/-रु. इन्द्र-इन्द्राणी
नोट :- उक्त राशि में वस्त्राभूषण, भोजन एवं सामग्री की न्योछावर सम्मलित है।
प्रमुख पात्र बनने के लिए समिति के सदस्यों से सम्पर्क करें।
आप सभी इस मांगलिक कार्यक्रम में सादर आमंत्रित हैं। कार्यक्रम में भाग लेकर पुण्यार्जन करें।
आयोजक
अर्हं चातुर्मास समिति जयपुर-2024
परम शिरोमणी संरक्षक
श्री कंवरीलाल जी अशोक कुमार जी सुरेश कुमार जी विमल कुमार जी पाटनी
(आर.के.ग्रुप मदनगंज-किशनगढ़)
संरक्षक
* श्री नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाडिया
* श्री शीतल जी अनमोल जी कटारिया
श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
अध्यक्ष सुशील पहाड़िया 9928557000
वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बेनाड़ा 9829561399
उपाध्यक्ष तेजकरण चौधरी 9828081698
संयुक्त मंत्री सीए मनोज कुमार जैन 9314503618
कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र कुमार जैन 9828152143
संगठन मंत्री अशोक कुमार सेठी 9828810828
सांस्कृतिक मंत्री जम्बू कुमार सौगाणी 7665014497
मंत्री राजेन्द्र कुमार सेठी 9314916778
सहयोगी संस्थाएँ
श्री आदिनाथ महिला जागृति समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
अध्यक्ष - सुशीला रॉवका, मंत्री - रश्मि सांगानेरिया, कोषाध्यक्ष - रेणु पाटनी
आदिनाथ युवा मंडल, मीरा मार्ग जयपुर * विद्यासागर पाठशाला, मीरा मार्ग, जयपुर

डायमंड ग्रुप ने आचार्य विद्यासागर जी को याद करके मनाई शरद पूर्णिमा

जयपुर. शाबाश इंडिया

आश्विन मास की पूर्णिमा अर्थात शरद पूर्णिमा हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन आचार्य भगवन 108 श्री विद्यासागर जी महामुनिराज, गणिनी आर्यिका 105 श्री ज्ञानमति माताजी और नवाचार्य 108 श्री समय सागर जी मुनिराज का इस धरती पर अवतरण हुआ। ग्रुप अध्यक्ष राजेन्द्र सेठी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया और तीनों गुरुओं को याद कर एक गीत प्रस्तुत किया ग्रुप के संस्थापक संस्थापक अध्यक्ष यश कमल अजमेरा ने। शरद पूर्णिमा की चांदनी रात में नारायण विहार स्थित गंगा कोटेचा अपार्टमेंट के रूफ टॉप पर आयोजित कार्यक्रम गीत चन्द्रहार में तीनो मुनि, आर्यिका को विन्यांजलि दी गई। अन्य सदस्यों के साथ ग्रुप सदस्य भाग चन्द जैन मित्रपुरा ने भी अपने भावांजली प्रस्तुत की। इसके पश्चात कार्यक्रम को परवान देते हुए मधुर गीतों की स्वर लहरियों का सभी सदस्यों ने आनंद लिया व गायक कलाकारों ने सभी को थिरकने/गाने को मजबूर कर दिया। संस्थापक अध्यक्ष यश कमल अजमेरा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए विशेष रूप से तैयार की गई मुखड़ा पहचानो प्रतियोगिता व हाउजी को सोनल जैन और दीपशिखा जैन के सहयोग से खिलाया जिसका भी सभी सदस्यों ने खूब आनन्द लिया। ग्रुप सदस्यों को मुखड़ा पहचानने पर तुरंत इनाम भी दिए गए। सचिव अतुल छाबडा ने बताया कि शरद पूर्णिमा की चाँदनी रात में ग्रुप सदस्यों के लिए निर्धारित की गई सफेद थीम का भी सभी सदस्यों ने भरपूर साथ दिया और आयोजकों द्वारा सभी चीजें यथा पूरी साज सज्जा , बैठक व्यवस्था व विशेषकर रात्रि में खाने योग्य सभी चीजों में भी थीम का विशेष ध्यान रखा गया। अंत में सभी सदस्यों ने डांस और डांडिया पर खूब मस्ती की और हाउजी के विजेताओं को पुरस्कृत किया कोषाध्यक्ष सुरेश-आभा गंगवाल और निवर्तमान अध्यक्ष प्रमोद-सोनल जैन ने। अंत में ग्रुप सचिव अतुल-सुधा छाबड़ा ने पधारने वाले सभी सदस्यों को और अतिथियों को तथा रूफ टॉप पर चाँदनी रात का मजा लेने के लिए स्थान उपलब्ध करवाने वाले जय प्रकाश -मंजु जैन को धन्यवाद ज्ञापित किया ।

दीपावली के पावन पर्व पर महावीर पब्लिक स्कूल में विभिन्न प्रतियोगिताओं के बिखरे रंग

जयपुर. शाबाश इंडिया। दीपावली के त्योंहार से पहले महावीर पब्लिक स्कूल, सी-स्कीम, जयपुर में विद्यार्थियों हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सीबीएसई द्वारा निर्मित ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' क्लब के अंतर्गत 23 अक्टूबर 2024 को ''नागालैंड और राजस्थान की संस्कृति का चित्रण'' नामक अंतर-सदनीय प्रतियोगिता संपन्न हुई। जिसमें कक्षा 6 से 12 तक के मयूर, बुलबुल, नीलकंठ और हंस हाउस के विद्यार्थियों ने नागालैंड और राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बड़ी ही रचनात्मकता और उत्साह के साथ अतीव आकर्षक और ज्ञानवर्धक स्टॉल लगाकर शानदार ढंग से प्रदर्शित किया। प्राइमरी कक्षाओं के बच्चों ने अपने नन्हें-नन्हें हाथों से अत्यंत ही स्वादिष्ट फायर फ्री व्यंजन बनाए जो कि अत्यधिक स्वादिष्ट थे। 24 अक्टूबर को स्कूल के सभागार में कक्षा 1 से 3 के बच्चों के लिए रामायण के पात्रों पर आधारित एक फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें बच्चों ने राम, सीता, लक्ष्मण, रावण, शबरी आदि के किरदारों को जीवंत कर दिया। रामायण के किरदारों की वेशभूषा पहनकर बच्चे अत्यंत ही मनमोहक लग रहे थे। दिनांक 25 अक्टूबर को कक्षा 4 व 5 के विद्यार्थियों ने विभिन्न राज्यों के रंगारंग लोक नृत्यों को बड़े ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया, जो कि अत्यंत मनोरंजक एवं दर्शनीय था। विद्यालय के कार्यकारिणी सदस्यों एवं प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने विद्यार्थियों के उत्साह एवं रचनात्मकता की भूरि-भूरि प्रशंसा की एवं दीपावली के त्योंहार की बधाई दी।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया

जो लोग मन से मर जाते हैं या जीवन जीने की हिम्मत हार जाते हैं, फिर उनके पास ''भविष्य'' रचने की क्षमता नहीं होती.. फिर वह इतिहास खोदने बैठ जाते हैं। इसलिए आज कुछ लोग जीवन को बोझ की तरह, भार की तरह ढो रहे हैं। जिस जीवन में आनंद, प्रेम महोत्सव था, उस जीवन में मातम सा छा गया है। जहाँ फूल खिलने थे, वहाँ कांटे चुभ रहे हैं, जहां दीप जलने थे, वहाँ दिल जल रहे हैं,, लेकिन कसूर किसका है-? महावीर, कृष्ण, राम और बुद्ध - जीवन को सार्थक कर सकते हैं, तो हम क्यों नहीं? जन्म जीवन नहीं बल्कि जीवन को जानने - पाने - खोने का एक अवसर है,, मौत तुम्हारे एक अवसर से चुकने का इन्तजार कर रही है। इसलिए आज के आदमी को जीवन व्यर्थ लगता है। बात बात में - मैं क्या करूं-? कैसे जीयूं-? किसी भी कार्य में सफलता ही नहीं मिलती-? अरे भाई! आप अपने दिन के रुटीन को देखो, तो पाओगे सिर्फ सारी भाग दौड़ श्री और स्त्री के लिये है। आप इतिहास उठा कर देखो-? आज तक एक भी पुरुष और महापुरुष श्री - स्त्री से तृप्त नहीं हो पाये। जो इनसे तृप्त हुये, तो महापुरुष या सन्यासी बाबा बन गये। संसार के 33 करोड़ देवी देवताओं को पूजना आसान है लेकिन श्री - स्त्री को पाकर खुश रहना और खुश रखना,, ऐसा ही है जैसे शेर की मूछ के बाल को ताबीज में भरकर पहनना...! **-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

संत समागम से समय का सदुपयोग कर पुण्य का अर्जन करें: आर्यिका श्री महायश मति जी

पारसोला. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज अपने संघ सहित पारसोला धरियावद विराजित हैं आज की धर्म सभा में शिष्या आर्यिका श्री महायशमति ने प्रवचन में बताया कि दीपावली पर्व किन कारणों से मनाई जाती है, कषाय कितनी होती है, लेश्या किसे कहते हैं कि कितने प्रकार की होती है, समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए, आचार्य संघ रूपी संत समागम से कैसे लाभ लेना चाहिए इसकी प्रवचन में विवेचना की। एक कथा के माध्यम से बताया कि दो मित्रों को एक देवी ने रतन के खजाने में छोड़ दिया की नियत 1 घंटे में आप जितने रन बटोर सकते हैं आप ले लें एक मित्र ने पुरुषार्थ कर समय का उपयोग कर रन इकट्ठे कर लिए जबकि दूसरा व्यक्ति आलस में सो गया कि मैं जब उठेगा जब मैं ले लूंगा तो एक व्यक्ति खाली हाथ रहा और दूसरे को रन की प्राप्ति हुई इसी प्रकार चार माह का चातुर्मास रूपी संत समागम आपको मिला है आप सोचते हैं हम बाद में जाकर धर्म लाभ ले लेंगे व्रत नियम ले लेंगे किंतु कुछ लोग व्रत नियम लेकर जीवन और समय का सदुपयोग करते हैं जबकि कुछ खाली हाथ रह जाते हैं। मनुष्य जीवन बहुत ही पुण्य से प्राप्त होता है इस जन्म में जो पूर्ण अर्जित करोगे उसका फायदा अगले जन्म में मिलेगा इसलिए जितना समय मिला है उसका हर पल हर क्षण का सदुपयोग करना चाहिए प्रमादी नहीं होना चाहिए। प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी महाराज का आचार्य पद का शताब्दी महोत्सव का शुभारंभ पारसोला से हुआ है इसमें आपने आचार्य श्री के जीवन को पढ़कर, सुनकर देखकर ,समझकर,क्या ग्रहण किया है यह सोचने की बात है। महोत्सव में आचार्य श्री ने 36 मूल गुण के धारी आचार्य श्री के जीवन से प्रेरणा लेकर 36 एकासन व्रत करने की प्रेरणा आप सभी भक्तों को दी है। यह मंगल देशना आर्यिका श्री महायश मति माताजी ने धर्म सभा में भक्तों के समक्ष दी ।गज्जू भैया ,राजेश पंचोलिया अनुसार माताजी ने प्रवचन में आगे बताया कि आत्मा और शरीर का बंधन क्यों है आप जो क्रोध कषाय करते हैं उसके कारण आत्मा में कर्मों का आश्रव होता है इस वजह से आप बार-बार अनेक भव में जन्म लेते हैं। क्रोध मान माया लोभ यह चार प्रकार की कषाय होती है आपके परिणाम और भावों के कारण यह लेश्या में परिवर्तित हो जाती है। कषायो के कारण ही नरक गति ,तिर्यंच गति मिलेगी। छः प्रकार की लेश्या में तीन शुभ और तीन अशुभ होती है इसलिए आपको अपने भाव और परिणाम मैत्री के ,करुणा,दया के रखना चाहिए। दीपावली पर्व आप भगवान के निर्वाण दीप उत्सव ,साफ-सफाई ,मिठाई और खुशी के रूप में मनाते हैं भगवान राम 14 वर्ष का वनवास समाप्त कर अयोध्या लौटे थे इस कारण तभी से दीप उत्सव मनाने की प्रथा चली है ।भगवान राम श्री 1008 मुनि सुब्रतनाथ भगवान के समय में हुए थे। कार्तिक माह में भगवान महावीर स्वामी को मोक्ष निर्वाण हुआ था, उसी शाम को प्रथम गणधर गौतम स्वामी को भी केवल ज्ञान प्राप्त हुआ था हम इस कारण दीपावली पर्व जैन समाज द्वारा मनाया जाता है। जिस प्रकार प्रकाश से अंधकार दूर किया जाता है, उसी प्रकार मोह,अज्ञान ,और पापों को केवलज्ञान रूपी लक्ष्मी से दूर किया जाता है इसलिए केवलज्ञान लक्ष्मी की पूजन करना चाहिए। पटाखे के बारे में माताजी ने बताया कि पटाखे फोड़ने से ध्वनि और वायु प्रदूषण होता है पटाखे के कारण अनेकानेक जीवों का घात होता है इसलिए सभी को पटाखे नहीं फोड़ना चाहिए। मुनि श्री चिंतन सागर जी ने अपने चिंतन में बताया कि सभी को धर्म के स्वरूप को सुनकर, समझकर याद करना चाहिए ।एक सूत्र दिया कि जो हमारे लिए प्रतिकूल है वह दूसरे के लिए भी प्रतिकूल होगा इसलिए वह कार्य नहीं करना चाहिए। आत्म प्रशंसा और दूसरे की निंदा नहीं करना चाहिए किसी के धर्म कार्य में बाधा नहीं डालना चाहिए ।सभी के प्रति विनय ,प्रेम ,मैत्री भाव रखना चाहिए। जयंतीलाल कोठारी अध्यक्ष एवं ऋषभ पचोरी, प्रवीण जैन अनुसार श्रीजी के पंचामृत अभिषेक पूजन के पश्चात आचार्य श्री वर्धमान सागर जी की पूजन की गई। पूर्वाचार्यों के चित्रों का अनावरण और दीप प्रज्वलन अतिथियों द्वारा किया गया। आचार्य श्री के सानिध्य में दोपहर को स्वाध्याय, तत्व चर्चा शाम को आरती नियमित होती है।

संकलन : राजेश पंचोलिया इंदौर

नारी जीवन

ये नारी का जीवन है,
कहां किसी को रास आता है।
थोड़ा खुलकर जीना चाहे,
तो उसके अपनों को ही नहीं भाता है।
बाहर आगे बढ़ना चाहे,
तो उसका सहकर्मी ही टांग अड़ाता है।

थोड़ा सज संवर ले,
तो तेज बताते हैं।
ना संवरे,
तो बहनजी कहकर चिढ़ाते हैं।
लोग भी बड़े अजीब हैं,
हरदम नारी में ही कमी बताते हैं।

मन बड़ा व्यथित हो जाता है,
जमाने की इन बेतुकी दलीलों से।
नारी को बुरा बताने वाली,
इन तस्वीरों से।

पर सुन लो,ऐ !समाज के ठेकेदारों,
मैं आज की नारी हूं,
नहीं किसी से हार मानने वाली हूं।
जमाने से कदम से कदम मिलाऊंगी,
मैं भी तुमसे इतना ना घबराऊंगी।
बताऊंगी जमाने को नारी बड़ी अनमोल है,
उसे तुम्हारी दया का नहीं कोई मोह है।

स्वरचित
रचना शर्मा

पंच दिवसीय संस्कार निर्माण शिविर का भव्य रूप से हुआ समापन समारोह

संस्कार ही जीवन का आधार है: मुनि रमेश कुमार

काठमांडू, नेपाल. शाबाश इंडिया। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के निर्देशन में तेरापंथी सभा काठमांडू के तत्वावधान में आयोजित पंच दिवसीय संस्कार निर्माण शिविर का समापन समारोह मुनिश्री रमेश कुमार जी एवं मुनिश्री रत्न कुमार जी के पावन सान्निध्य में तेरापंथ कक्ष स्थित महाश्रमण सभागार में सुसंपन्न हुआ। संस्कार निर्माण शिविर के इस अनुपम समापन के विषय में श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर कमेटी एवं सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था नेपाल शाखा के अध्यक्ष सुभाष जैन सेठी ने जानकारी देते हुए बताया कि मुनिश्री द्वारा उच्चारित नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम शुरू हुआ। जैन तेरापंथ महिला मंडल की महिलाओं ने मंगलाचरण किया। तेरापंथी सभा, काठमांडू के अध्यक्ष सुभागमल जम्मड़ ने सभी आगंतुकों का हार्दिक स्वागत किया। मुनिश्री रमेश कुमार जी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा - संस्कार ही जीवन का आधार होता है, जो हमारे सोचने को परिभाषित करता है । अच्छे संस्कार व शिक्षा जीवन भर साथ देती है । जिन बच्चों ने शिविर में भाग लिया है, उनके व्यवहार व उनकी जीवन शैली में परिवर्तन होना चाहिए । निर्माण का कार्य कठिन होता है, विध्वंस सरल होता है । उत्थान कठिन होता है , पतन सरल होना है । वर्तमान काल इंटरनेट का युग है । बच्चों को सुसंस्कारित करने के लिए परिवार, शिक्षा, संत-महात्माओं व सरकार का ध्यान होना आवश्यक है । अपेक्षा है कि अपनी परम्परा और संस्कृति की विरासत से जुड़े रहे । इस कार्यक्रम में मुनिश्री रत्न कुमार जी के अथक श्रम व कार्यक्रम संयोजक श्री ललित जी नाहटा , आयोजक तेरापंथी सभा अध्यक्ष सुभागमल जम्मड़ व सभी कार्यकर्ताओं, स्थानीय संस्थाओं, भारत से समागत मोटीवेशनल स्पीकर सुश्री निहारिका सिंघी की सराहना की। मुनिश्री ने नेपाली भाषा में हिमालय की तराई में बसे सुन्दर राष्ट्र नेपाल के बारे में कहा कि बहु-भाषी, बहु-संस्कृति, बहु-जातीय, बहु- संपदा वाला देश है। मुनिश्री रत्न कुमार जी ने कहा - मुनिश्री रमेश कुमार जी ने मुझे यह दायित्व सौंपकर कृतार्थ किया। ऊर्जा परमाराध्य गुरुदेव से प्राप्त हो रही है और मुनिश्री की कृपा दृष्टि है । बच्चों की अब परीक्षा की घड़ी है जिन संस्कारों का अर्जन किया है, परिवार, मित्रों व विद्यालय में अपनायेंगे । सभी शिविरार्थियों ने संकल्प ग्रहण किया कि हम ऐसा कोई काम नहीं करेंगे, जिससे चारित्रिक पतन हो। अपने परिवार व संघ की गरिमा बनाये रखेंगे। अभिभावकों को भी आह्वान किया कि भविष्य में जब कभी ऐसे शिविर लगे, बच्चों को अवश्य भेजें। आध्यात्मिक साधना युक्त पाँच दिनों की पूरी दिनचर्या बिना मोबाइल, टीवी व जमीकंद के रहना, अनुशासन से सोना, उठना, भोजन आदि सभी गतिविधियों से मुनिश्री ने श्रावक समाज को अवगत कराया। मुख्य अतिथि भारतीय दूतावास स्थित केन्द्रीय विद्यालय के प्रिंसिपल ए जेरॉल्ड का तेरापंथी सभा , काठमांडू के अध्यक्ष सुभागमल जम्मड़ व कार्यक्रम संयोजक ललित नाहटा ने जैन दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया । श्रीमती एकता व्यास ने परिचय प्रस्तुत किया। मोटीवेशनल स्पीकर सुश्री निहारिका सिंघी ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए सर्व प्रथम मुनिश्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की , जिन्होंने यह अवसर प्रदान किया । कार्यक्रम संयोजक , स्थानीय सभा एवं कार्यकर्ताओं ने प्रत्येक कार्य में अपेक्षित सहयोग प्रदान किया । बच्चों के साथ रहने व सेशन लेने वाले ये पाँच दिन सदैव अविस्मरणीय रहेंगे। शिविरार्थी बालकों ने समूह बद्ध गीतिका का संगान करते हुए सदन को भाव-विभोर कर दिया। लघु नाटिका के रूप में शिविरार्थियों ने पूरे पाँच दिनों में हुए प्रोग्राम व कार्यशालाओं को बहुत सुन्दर व रोचक तरीके से प्रस्तुत किया। ओजस महणोत, रौनक सेठिया, प्रज्ञान नौलखा, नैतिक छाजेड़ ने अपने अनुभवों को सभी से साझा किया। श्रीमती सुमन नाहटा, संजय महणोत, अपने विचार अभिव्यक्त किये।

नसीराबाद के उड़ान (दिव्यांग) स्कूल के विशेष बच्चों ने मनाया दिवाली सेलिब्रेशन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। हनुमान चौक स्थित उड़ान स्कूल (दिव्यांग) बच्चों के साथ दिपाली सेलिब्रेशन मनाया गया। उड़ान स्कूल के प्रिंसिपल डॉ रवि पथरिया ने बताया उड़ान स्कूल मे विशेष बच्चों के साथ दिवाली मनाई गई । जिमसे आर्मी के ऑफिसर के साथ बच्चों के अभिभावक भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर इंचार्ज सतीश कुमार, विशेष शिक्षक पांचू सिंह, स्पीच थेरेपिस्ट भारती नागवान उपस्थित रहे। सेलिब्रेशन के दौरान बच्चों ने ग्रीन पठाखे चला कर पर्यवारण को बचाने का सन्देश दिया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि कर्नल मनिंदर सिह की धर्मपत्नी श्रीमती प्रतिमा गिल रही।

101 जरूरत मंद परिवार के बालक बालिकाओं को नवीन वस्त्रों के साथ और खाद्य सामग्री में बिस्किट एवं टाफियों का वितरण किया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, घनश्याम सोनी, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष मधु पाटनी, श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति अजमेर की सदस्याओं के अलावा अन्य भामाशाहों के सहयोग से उदयपुर के मल्लाह तलाई क्षेत्र की भीलूराणा कच्ची बस्ती के 101 जरूरत मंद परिवार के बालक बालिकाओं को राजकीय चिकित्सालय ओगणा से रिटायर्ड नर्सिंग सिस्टर इस्मा और बुझरा गांव के उप सरपंच गोपाल लाल के कर कमलों द्वारा नवीन वस्त्रों के साथ और खाद्य सामग्री में बिस्किट एवं टाफियों का वितरण किया गया। लायंस क्लब अजमेर आस्था के वरिष्ठ सदस्य एवं समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल ने इस अवसर पर कहा कि जिस प्रकार हम सभी मिलझुल कर दीपावली के महापर्व को हर्षोल्लास से मनाते है इसी प्रकार स्लम एरिया में रहकर जीवन यापन कर रहे परिवारों को एवं उनके बच्चों को भी इस त्योहार को बहुत खुशी एवं उत्साह से मनाना चाहिए। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में चयनित परिवार के बच्चो को वितरण के कार्य में सहयोगी रामपुरा के सामाजिक कार्यकर्ता गमानीलाल,गोपाललाल तेली,नर्सिंग इसम्मा के सहयोग से बच्चो को क्रमबद्ध तरीके से भेंट किए गए।

ओसंसार के विषय भोग कटु फल देने वाले हैंः युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी म.सा.

मुनि हितेंद्र ऋषि जी को जन्मदिन की बधाई संदेश का लगा तांता..

चैन्नई। श्री आनन्द मधुकर केसरी जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने शुक्रवार को उत्तराध्ययन सूत्र के 19वें अध्याय मृगपुत्रीय की विवेचना करते हुए कहा कि यह अध्याय में सुग्रीव नगर के युवराज मृगपुत्र पर आधारित है। पिछले अध्यायों से इस अध्याय की विशेषता यह है कि इसमें नरक और नरक की वेदना का वर्णन हुआ है। एक बार युवराज मृगपुत्र अपने महल में गवाक्ष में बैठा नगर की चहल-पहल देख रहा था। उसकी दृष्टि एक मुनि पर पड़ी। उस मुनि को देखकर उसे जाति स्मरण ज्ञान हो जाता है कि वह भी उसी प्रकार एक श्रमण था। पूर्व जन्म की स्मृति के कारण वह संसार से विरक्त हो जाता है। माता-पिता से दीक्षा की अनुमति मांगता है। माता-पिता के यह कहने पर कि श्रमणाचार का पालन करना तलवार की धार

पर चलना है, मृगपुत्र कहता है मेरी आत्मा ने नरकों में ऐसे कष्ट भोगे है जिनका शतांश भी मानव लोक में नहीं है। पुत्र के दृढ़ संकल्प और तीव्र वैराग्य को जानकर माता-पिता ने दीक्षा की अनुमति दे दी। दीक्षित होकर मृगपुत्र ने उत्कृष्ट तप-साधना करके संसार से मुक्ति प्राप्त की। उन्होंने कहा हमारे आगमों में चार अनुयोग बताए गए हैं द्रव्यानुयोग यानी तत्व की चर्चा, गणितानुयोग यानी संख्याएं, चरणकरणानुयोग यानी साधक को दिनचर्या, संयम चर्या को क्रमशः निभाना चाहिए, उसकी चर्चा और धर्मकथानुयोग यानी जिन्होंने जीवन में धर्म को अपनाकर जीवन में लक्ष्य की तरफ बढ़ गए, उसका संदर्भ। ये चारों योग आगमों में अलग-अलग रूप से उपलब्ध है। लेकिन इन चारों के विषय का सुंदर रूप से प्रतिपादन उत्तराध्ययन सूत्र में हुआ है। उन्होंने कहा जब संतों को देखना है तो उनके चरणों की ओर, पात्रों की ओर देखना, उनके चेहरे की ओर नहीं देखना। उन्होंने कहा आज स्थिति यह है कि हम जीवन में सिकुड़ते जा रहे हैं। हम नाम को भी छोटा कर व्यक्तित्व की पहचान को कम कर रहे हैं। आज नाम में ही नहीं, स्वभाव में भी फरक आ गया है। हम प्राचीन संबोधन करके तो देखें, यह मात्र औपचारिकता नहीं है। यह एक दूसरे के प्रति सम्मान का विषय है। हमारे घर के वातावरण के कारण लघुकर्मी भी भारीकर्मी बन जाता है। उन्होंने कहा जो विषय भोग है, वे कटु फल देने वाले हैं और अनुबंध परम्परा में विषफल के समान दुःख देने वाले हैं। इसीलिए यह शरीर अनित्य है। जिस प्रकार हमें सफर में साथ में भाता लेकर चलना चाहिए, वैसे ही जीवन यात्रा में धर्म का भाता साथ में लेकर चलना चाहिए। जो कमजोर, कायर है, उनके लिए यह संयम यात्रा कठिन है। मजबूत व्यक्ति के लिए यह कठिन नहीं है। संसार में जितने भी भ्रमणशील प्राणी है, वे कष्ट प्राप्त करते ही हैं। हम इस सूत्र का अनुसरण कर जीवन में आगे बढ़ें। इस दौरान युवाचार्यश्री ने अपने शिष्य हितमित भाषी मुनि हितेंद्र ऋषिजी के जन्मदिवस पर मंगल कामना एवं आशीर्वाद दिया। वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के मंत्री धमीचंद सिंघवी ने हितेंद्र ऋषिजी महाराज के जन्मदिवस पर शुभकामना देते हुए कहा कि वे श्रमण संघ की उन्नति में अग्रणी बने रहें। महासती उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी आदि ने भी मंगल कामना की। महासती अणिमाश्री जी ने बधाई गीत के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित की। शुक्रवार को उत्तराध्ययन सूत्र के लाभार्थी सुरेश लुनावत एवं दिलीप मरलेचा परिवार थे। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन करते हुए बधाई गीत प्रस्तुत किया। **-प्रवक्ता सुनिल चपलोत**

'नाज' में मनाया दीपोत्सव

बच्चों ने बनाई आकर्षक रंगोली, सजाए दीपक

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित सेंदड़ा रोड पर श्री नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ में दीपोत्सव मनाया। इस अवसर पर 'दीया मेकिंग 'और' रंगोली प्रतियोगिता 'का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य श्री धर्मेंद्र कुमार शर्मा, उप प्राचार्य श्री नागेश राठौड़, वर्धमान रूट्स से सुश्री अनुज्ञा जोशी, सुश्री नमिता चौधरी, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती गीतांजलि शर्मा, श्रीमती निशा चौहान और श्रीमती भारती थावानी ने मां सरस्वती, महावीर स्वामी

के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। मंच का संचालन श्रीमती सविता शर्मा और श्रीमती नेहा शर्मा के द्वारा किया गया। प्राचार्य धर्मेंद्र शर्मा द्वारा विद्यार्थियों को दिवाली की बधाई दी गई और त्योहार को उत्साह और उमंग से मनाने का आग्रह किया इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अंतर्निहित सृजनात्मक का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल द्वारा सामूहिक रूप से वगार्नुसार परिणाम घोषित किया गया। दीया मेकिंग में के.जी. सक्सैन से प्रथम स्थान जिनेश, द्वितीय स्थान शौर्य, तृतीय स्थान रूद्रांक्ष ने प्राप्त किया। सब जूनियर वर्ग में प्रथम से द्वितीय कक्षा में प्रथम स्थान उर्वशी , द्वितीय स्थान खुशवर्धन, तृतीय स्थान चहल ने प्राप्त किया। तृतीय से पंचम कक्षा में प्रथम स्थान युवराज सैनी, द्वितीय स्थान यशस्वी, तृतीय स्थान युक्ति सिंह ने प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान गार्गी,द्वितीय स्थान हर्षराज,तृतीय स्थान जयश्री ने प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान पुनित सिंह, द्वितीय स्थान एकलव्य डुलानी, तृतीय स्थान परिक्षित ने प्राप्त किया। रंगोली में सब जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान ध्रुवानन्द, द्वितीय स्थान दिव्यांशी, तृतीय स्थान तेजस सिंह ने प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान कोमल राठौड़, द्वितीय स्थान सोनाक्षी जांगिड़,तृतीय स्थान गार्गी सिंह ने प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान एकलव्य, द्वितीय स्थान लक्षिका, तृतीय स्थान भूमिका ने प्राप्त किया।इस अवसर पर वर्धमान शिक्षण समिति प्रबंधन,शैक्षणिक निदेशक डॉ आर सी लोढ़ा, प्राचार्य श्री धर्मेंद्र शर्मा, उपप्राचार्य श्री नागेश राठौड़ ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उत्साहवर्धन किया।

डोनेशन ड्राइव और हैंडीक्राफ्ट एग्जिबिशन का आयोजन किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

एनजीओ वसुधा जन विकास संस्थान और पिंक क्लब वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में सी स्कीम स्थित के के स्क्वायर मॉल में डोनेशन ड्राइव और हैंडीक्राफ्ट एग्जिबिशन का आयोजन किया गया, जहां जयपुर वासियों ने दिल खोलकर जरूरतमंदों के लिए उनके उपयोग में आने वाली जरूरत की वस्तुओं और पैसे का दान किया। वसुधा जन विकास संस्थान की डायरेक्टर और वाइस चेयर एस ओ चेम विमन विंग मोना शर्मा और पिंक क्लब वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष सुषमा के के ने बताया कि हम पिछले तीन सालों से इस डोनेशन ड्राइव का आयोजन कर रहे हैं। इस डोनेशन ड्राइव में शहर वासियों ने कपड़े, जूते, साड़ी, चप्पल, पटाखे, मिठाई, बैग, स्टेशनरी का सामान, गर्म कपड़े जैसी वस्तुएं दान की हैं। इन वस्तुओं को हम पिंक क्लब वेलफेयर सोसायटी के साथ मिलकर गांवों और शहरों की कच्ची बस्तियों और चौमूं और सामोद के गांवों में जरूरतमंदों को वितरित करेंगे। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर निगम ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर ने इस कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा की दीपावली पर जरूरतमंदों को उनकी जरूरत का सामान मिलेगा, जिससे उनकी दीवाली भी खुशियों से भरी होगी। इस मौके पर ग्रामीण महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के बनाए हुए उत्पादों की एग्जिबिशन भी लगाई गई। जिसमें बाँदरवाल, हाथ से बनाए मोतियों के पर्स, बच्चों के लकड़ी के खिलौने, दिए, कशीदाकारी के कपड़े, टाई एंड डाई के कपड़े, रंगोली आदि उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जिसे जयपुर वासिओं ने खूब खरीदा। उन्होंने बताया कि ये सारा पैसा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जाएगा। यह कार्यक्रम ट्रिप फैक्ट्री, अव्य, ब्ल्यू स्टोर मीडिया, कागजी इंडस्ट्रीज के सहयोग से संपन्न हुआ।

नाटक आवाज का नीलाम का मंचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

कला साहित्य एवं पुरातत्व विभाग एवं रविंद्र मंच के सहयोग से टैगोर योजना के अंतर्गत 25 अक्टूबर को नाटक आवाज का नीलाम का मंचन हुआ जिसका निर्देशन और संगीत रंगकर्मी प्रवीण कुमावत किया। नाटक में पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की अनुगूँज है। इसमें 1947 में स्वतन्त्रता मिलने के बाद का घटना काल है। इसमें मंच पर सिर्फ दो ही पात्र आते हैं पत्रकार दिवाकर तथा सेठ बाजोरिया। आवाज समाचार पत्र के संपादक दिवाकर को अपनी मृत्यु से जूझती हुई बीमार पत्नी के इलाज के लिए पिछले दस वर्षों की कठोर साधना एवं अथक परिश्रम से निकाले पत्र को विवश होकर सेठ बाजोरिया के हाथों बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है। घर बेचकर अपना खून पसीना एक कर सरकार से संघर्ष करके जमानतें देकर किसी तरह से उसने अखबार निकाला। उसकी विवशता, लाचारी, पीड़ा, आक्रोश को उसी के संवादों में देखा जा सकता है। सेठ बाजोरिया का फोन आता है कि वह पाँच मिनट में आने वाला है। दिवाकर बेचैन हो उठता है मैं तुम्हारे लिए सब कुछ भूल गया थो अपने को अपनी फूलों जैसी बच्ची को अपनी शीला को महज इसलिए कि तुम मेरी आत्मा की आवाज बन सको मेरी नंगी-भूखी जनता की आवाज बन सको। सत्य की आवाज बन सको। लेकिन नहीं अब तुम बाजोरिया की आवाज बनोगे।ह तभी सेठ बाजोरिया दिवाकर के कमरे में प्रवेश करता हैं उसे देखकर दिवाकर व्यथित हो पियानों बजाने लगता है। पियानों को बजाना दिवाकर की परेशानी का द्योतक है। वह जब भी परेशान होता है पियानों बजाता है। बाजोरिया जैसे पूँजीपतियों के साहित्य और पत्रकारिता संबंधी लगाव एवं सांस्कृतिक स्तर को ऊँचा उठाने की भावना तथा दया एवं सहानुभूति के पिछे छिपी स्वार्थी मनोवृत्तियों को दिवाकर अच्छी तरह जानता था। उनकी लोभी वृत्ति को देखकर ही दिवाकर कहता है अब तपस्या और साधना के दिन भी तो नहीं रह गये। अब कलम की शान और विचारक की आजादी का भी कोई अर्थ नहीं रहा। अब तो आपके पत्र में हूँ तो आपका ढोल बजाऊँ उसके पत्र में हूँ तो ..... लाचारी और विवशता के बावजूद भी दिवाकर पैसे के बल पर पत्रकारिता को खरीदने वाले ढोंगी पूँजीपति को खरी खोटी सुनाता है और अखबार न बेचने का निर्णय लेता है। अचानक फोन की घंटी बजती है डाक्टर उसे दवाइयाँ और इंजेक्शन लाने के लिए कहता है मगर उसकी जेब में एक भी पैसा नहीं था। इसी मनोस्थिति में वह अखबार के कागजों पर हस्ताक्षर कर देता है। तभी फोन पर उसकी पत्नी की मृत्यु का समाचार आता हैं दिवाकर उत्साहित हो उठता है- बाजोरिया ! बाजोरिया कितना दयावान है ईश्वर ! कैसे मौके पर बाँह पकड़ता है। मेरी मुसीबतें खत्म हो गयी दोस्त। मैं अब आवाज नहीं बेचूँगा। (दाँत पीसकर) माई वाइफ इज डेड।ह बीमार पत्नी के प्रति सहानुभूति रखने वाले बाजोरिया को पत्नी के मरने पर आश्चर्य तो होता है फिर भी उसे संतोष है कि कागज पर हस्ताक्षर तो हो चुके हैं। नीलामी के हस्ताक्षरित कागज को वापस माँगने वाले दिवाकर को पागल कहकर बाजोरिया वहाँ से चला जाता है। दिवाकर चिल्लाता रहता है। यह है सेठ बाजोरिया जैसे पूँजीपतियों का असली चेहरा और दिवाकर जैसे पत्रकार की विवशता का जीता-जागता दस्तावेज। अर्थ ने पत्रकारिता की स्वतंत्रता का भी गला घोंट दिया है। परिणामस्वरूप आजादी एवं क्रांति की स्वतंत्रता क्रूर मजाक एवं विडम्बना बन कर रह गयी है। भारती जी ने आज के इस कटु सत्य को प्रभावपूर्ण संवाद मनोभावों एवं क्रियाकलाओं द्वारा नाटकीय भंगिमा प्रदान की है। ₹पत्रकार तो जनता की आवाज होता है। अगर वही अपनी अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता बेचने के लिए मजबूर हो जाय तो देश की इससे बड़ी ट्रेजडी और क्या हो सकती। नाटक में मंच पर विपिन शर्मा, बिजेंद्र सिंह अवाना, विवेक शर्मा मंच परे मंच सज्जा- ओमप्रकाश सैनी प्रकाश व्यवस्था आर्टिस्ट विकास सैनी वस्त्र सज्जा रेणु सनाढ्य रूप सज्जा सुनील सोगण मंच सहायक अंजलि, भारती, निशा प्रस्तुति-विवेक माथुर आदि, विशेष आभार-सुश्री प्रियंका राठौड़ (RAS) मंच प्रबंधक, रवीन्द्र मंच जयपुर एवं श्री रवि जैन (IAS) प्रमुख शासन सचिव कला साहित्य संस्कृति एवं पुरात्तव विभाग राजस्थान सरकार जयपुर।

प्रवीण कुमावत (नाट्य निर्देशक)